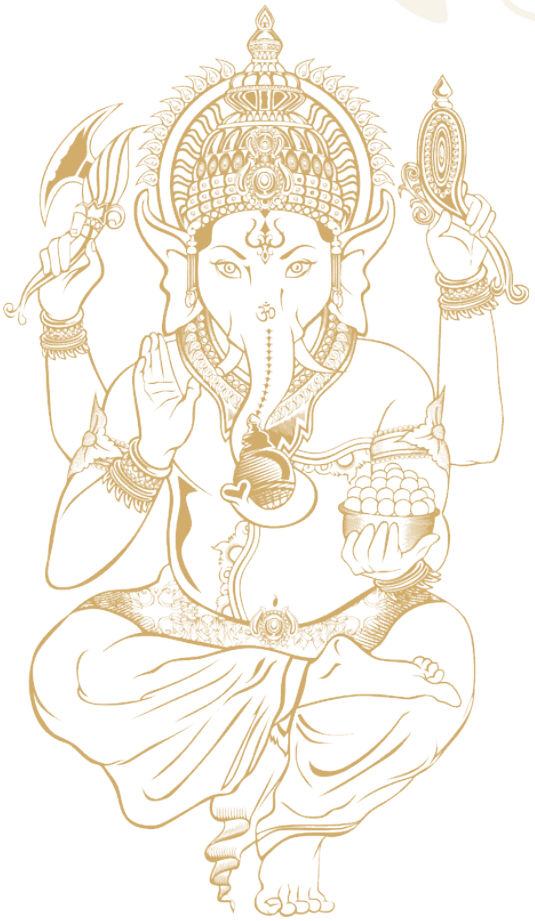

Annu

20 Nov 2008

03:05 PM

Ramnagar

Model: web-freekundliweb

Order No: 121192611

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**20/11/2008**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**15:05:00 घंटे**
इष्ट	21:41:21 घटी
स्थान	**Ramnagar**
राज्य	Madhya Pradesh
देश	India

अक्षांश	24:12:00 उत्तर
रेखांश	81:10:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:05:20 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	14:59:40 घंटे
वेलान्तर	00:14:21 घंटे
साम्पातिक काल	18:58:45 घंटे
सूर्योदय	06:24:27 घंटे
सूर्यास्त	17:17:37 घंटे
दिनमान	10:53:10 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	04:27:07 वृश्चिक
लग्न के अंश	25:42:24 मीन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मीन - गुरु
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**मघा - 4**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	ऐन्द्र
करण	तैतिल
गण	राक्षस
योनि	मूषक
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	मे-मेहर
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मीन	25:42:24	474:01:54	रेवती	3	27	गुरु	बुध	राहु	---
सूर्य			वृश्चि	04:27:07	01:00:35	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	मित्र राशि
चंद्र			सिंह	10:40:37	13:18:02	मघा	4	10	सूर्य	केतु	शनि	मित्र राशि
मंगल		अ	वृश्चि	08:54:56	00:43:06	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	स्वराशि
बुध		अ	वृश्चि	01:24:57	01:35:30	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	सम राशि
गुरु			धनु	26:07:55	00:11:10	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	केतु	स्वराशि
शुक्र			धनु	15:16:44	01:11:25	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	सम राशि
शनि			सिंह	26:15:43	00:04:14	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	केतु	शत्रु राशि
राहु	व		मक	18:36:00	00:00:22	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	मित्र राशि
केतु	व		कर्क	18:36:00	00:00:22	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	केतु	मित्र राशि
हर्ष	व		कुंभ	24:46:37	00:00:22	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	---
नेप			मक	27:34:37	00:00:37	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	गुरु	---
प्लूटो			धनु	05:47:44	00:01:56	मूल	2	19	गुरु	केतु	राहु	---
दशम भाव			धनु	19:32:30	--	पूर्वाषाढ़ा	--	20	गुरु	शुक्र	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:59:04

लग्न-चलित

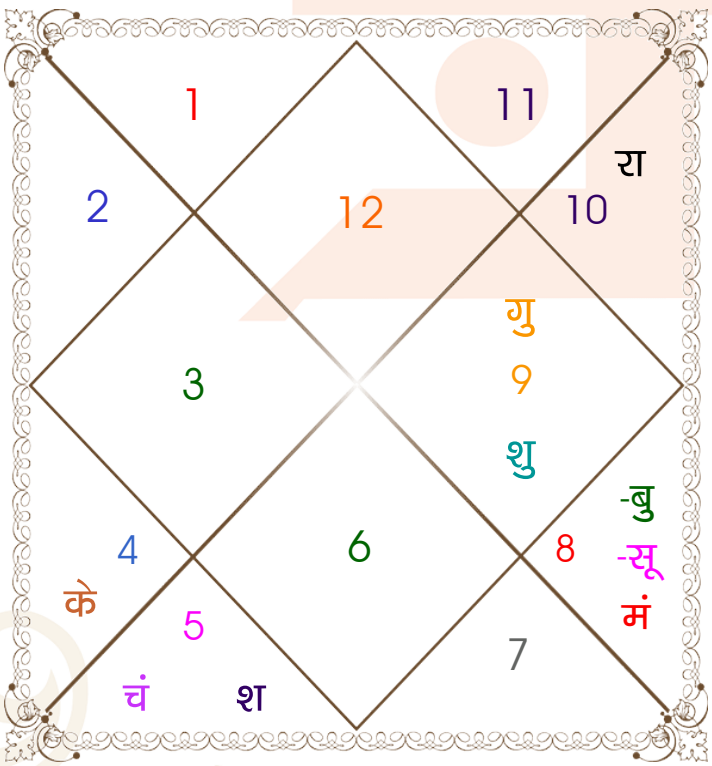

चन्द्र कुंडली

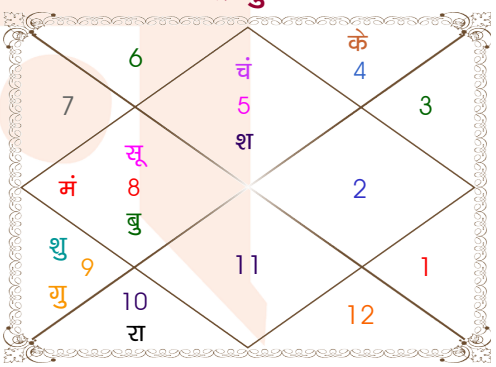

नवमांश कुंडली

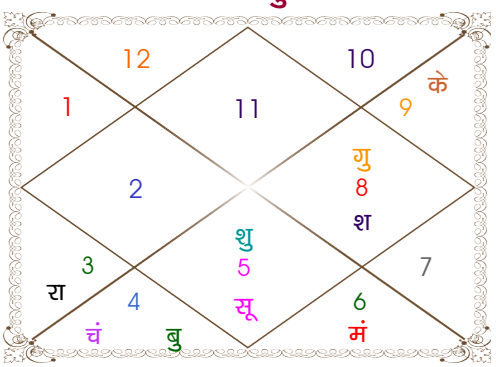

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 1 वर्ष 4 मास 22 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
20/11/2008		13/04/2010		13/04/2030		13/04/2036		13/04/2046	
13/04/2010		13/04/2030		13/04/2036		13/04/2046		13/04/2053	
	00/00/0000	शुक्र	13/08/2013	सूर्य	01/08/2030	चंद्र	11/02/2037	मंगल	10/09/2046
	00/00/0000	सूर्य	13/08/2014	चंद्र	31/01/2031	मंगल	12/09/2037	राहु	28/09/2047
	00/00/0000	चंद्र	13/04/2016	मंगल	08/06/2031	राहु	14/03/2039	गुरु	03/09/2048
	00/00/0000	मंगल	13/06/2017	राहु	01/05/2032	गुरु	13/07/2040	शनि	13/10/2049
	00/00/0000	राहु	13/06/2020	गुरु	17/02/2033	शनि	12/02/2042	बुध	10/10/2050
	00/00/0000	गुरु	12/02/2023	शनि	30/01/2034	बुध	14/07/2043	केतु	08/03/2051
	20/11/2008	शनि	13/04/2026	बुध	07/12/2034	केतु	12/02/2044	शुक्र	07/05/2052
शनि	16/04/2009	बुध	11/02/2029	केतु	14/04/2035	शुक्र	13/10/2045	सूर्य	12/09/2052
बुध	13/04/2010	केतु	13/04/2030	शुक्र	13/04/2036	सूर्य	13/04/2046	चंद्र	13/04/2053

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
13/04/2053		14/04/2071		14/04/2087		14/04/2106		15/04/2123	
14/04/2071		14/04/2087		14/04/2106		15/04/2123		00/00/0000	
राहु	25/12/2055	गुरु	01/06/2073	शनि	17/04/2090	बुध	10/09/2108	केतु	11/09/2123
गुरु	20/05/2058	शनि	13/12/2075	बुध	25/12/2092	केतु	07/09/2109	शुक्र	10/11/2124
शनि	26/03/2061	बुध	20/03/2078	केतु	02/02/2094	शुक्र	08/07/2112	सूर्य	18/03/2125
बुध	13/10/2063	केतु	24/02/2079	शुक्र	04/04/2097	सूर्य	15/05/2113	चंद्र	17/10/2125
केतु	31/10/2064	शुक्र	25/10/2081	सूर्य	17/03/2098	चंद्र	14/10/2114	मंगल	15/03/2126
शुक्र	01/11/2067	सूर्य	13/08/2082	चंद्र	16/10/2099	मंगल	11/10/2115	राहु	03/04/2127
सूर्य	24/09/2068	चंद्र	13/12/2083	मंगल	25/11/2100	राहु	30/04/2118	गुरु	08/03/2128
चंद्र	26/03/2070	मंगल	18/11/2084	राहु	02/10/2103	गुरु	05/08/2120	शनि	21/11/2128
मंगल	14/04/2071	राहु	14/04/2087	गुरु	14/04/2106	शनि	15/04/2123		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 1 वर्ष 4 मा 27 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म रेवती नक्षत्र के तृतीय चरण में मीन लग्न में हुआ था। उस काल मेदिनीय क्षितिज पर कुंभ राशि का नवमांश एवं वृश्चिक राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्मकालिक ज्योतिषीय आकृति से यह स्पष्ट दृश्य हो रहा है कि आप द्विस्वभात्मक छवि के विद्वेष युक्त होते हुए भी धन एवं प्रसन्नता से युक्त आनंदप्रद जीवन व्यतीत करेंगे।

आप वास्तव में मीन राशीय द्विस्वभावत्मक प्रवृति के जातीय गुणों से युक्त हो। आप असंगतपूर्ण बातें सोचते हो। जिस प्रकार उदाहरण स्वरूप आप जब जन सामान्य व्यक्ति के साथ व्यवहार में बहादुरी एवं आक्रमणशील प्रवृति से उपस्थित होते हो, परंतु घर के मामले में बुद्धिहीनता से नहीं बल्कि बुद्धिमत्ता पूर्वक संकोची स्वभाव से पत्नी के समक्ष जाते हो क्योंकि यह संभव लगता है कि आप पत्नी के सेवक हो। इस प्रकार आप अपने व्यवसाय अथवा कार्य स्थल पर समय से पहुंच जाते हो। आप इस मामले में अत्यंत विश्वसनीय पात्र हैं। आप अपने अनुकूल विषयक बातों के लिए किसी के सामने झुकने वाले नहीं है।

आप व्यक्तिगत रूप से अपने अभिभावक एवं अन्य लोगो की दृष्टि में एक सक्षम कार्यकर्त्ता, आदरणीय, धार्मिक नेता, उदार एवं सहानुभूति करने वाले प्राणी हैं। ऐसा अनुभव करते है। आप अपने जीवन भर आनंदपूर्वक बिताएंगे एवं अत्यधिक धन संग्रह कर सकते हैं। आपका विचार यह रहता है कि किस प्रकार वासनात्मक जीवन व्यतीत किया जाए। आप संतुलित ढंग से समय पर अपनी समर्पित जीवन संगिनी के समक्ष प्रदर्शन करेंगे। परंतु आपका गुप्त रूप से प्रेम प्रसंग में अन्य के प्रति झुकाव हो। यदि आप नारी के प्रति विरोधात्मक रूख आपनाएंगे तो आपका घरेलू वातावरण दूषित हो सकता है। आप यदि अपनी लोलुपता को रोक दें तो आपके समक्ष किसी भी प्रकार की बाधा उत्पन्न नहीं होगी।

इस प्रकार आप अत्यंत व्यवहार कुशल प्रवृति के व्यक्ति हो तथा अपने जीवन में सफल होंगे। इसी प्रकार आप दिवा स्वप्न देखते रहें कि प्रत्येक बार सुख ही सुख प्राप्त हो तो वास्तविकता आप से लुप्त हो जाएगी। आपके लिए आवश्यक है कि नीची विचार धारा से भूमि पर अवतरित हो कर, अपने हस्ताक्षरित कार्य के संपादन हेतु कठिन श्रम एवं समर्पण की भावना से युक्त हो कर कार्य संपादन करें तो निश्चित रूप से आपके हित में लाभदायक प्रमाणित होगा।

आप इस प्रकार अन्य लोगों की प्रतिज्ञा एवं विशेषता पर आश्रित रहना छोड़ दे, क्योंकि प्रायः लोग किसी प्रकार की वचन बद्धता को मात्र कागजी समझते हैं। आपको अपने कार्य व्यवसाय के लिए बाहरी सहयोग के उपर आश्रित रहने के बजाय अपना कार्य अपने हाथों से संपादन करना चाहिए।

आप उच्चकोटि के धार्मिक व्यक्ति हैं। आप आदर्श स्वरूप अपने विचारों के अनुरूप यह चिंतन करें कि धर्म दर्शन को किस प्रकार ग्रहण किया जाए। वैसे मीन राशीय प्रवृति के व्यक्ति को बुनियादी तौर पर पराज्ञान एवं प्राचीन विस्तृत वस्तुओं का अन्वेषण कर यह शिक्षा ग्रहण करनी चाहिए एवं आशावान बन कर अंत में पुर्नजन्म न हो। इसके लिए शिक्षा ग्रहण

करनी चाहिए। धार्मिक व्यक्ति सुगमता पूर्वक स्वतः अभ्यास कर सांसारिक सुखों के विषय में अच्छी प्रकार अपनी उपस्थिति अंकित कराते हैं।

प्रत्येक प्राणी कुछ रोगादि अथवा अन्य रोगादि के प्रति सशंकित रहते हैं अथवा रोग ग्रस्त होने से आशंकित रहते हैं। अतः आप भी वर्षों बाद स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से संबंधित हो सकते है तथा आप कर्ण रोग और आंत्र विकृति से प्रभावित हो सकते हैं। यदि आप रोग के आक्रमण के पूर्व ही सतर्कता बरतें एवं अपने चिकित्सक से विचार विमर्श करें तो आप अंत में कठिन रोग को कम कर सकते हैं। यदि आप ऐसा नहीं कर सके तो जैसा सब के साथ होता है वैसी शारीरिक समस्या आपके साथ भी उत्पन्न हो सकती है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार एवं गुरुवार का दिन उत्तम है। इसके अतिरिक्त सप्ताह के अन्य बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार ये तीनों दिन आपके लिए प्रतिकूल हैं।

आपके लिए अंकों में अंक 1, 3, 4 एवं 9 अंक सर्वथा अनुकूल एवं उत्तम भाग्यशाली है, परंतु अंक 8 सर्वथा प्रतिकूल है।

आप नीले रंग का व्यवहार कदापि नहीं करे। आपके लिए मात्र लाल, गुलाबी, नारंगी एवं हरा रंग अनुकूल उत्तम एवं मनभावन है।